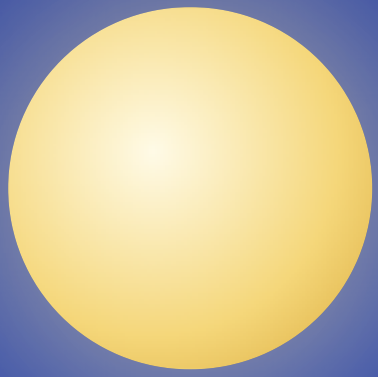


एकादशी व्रत पुस्तिका 2027

दिसंबर 2026 से दिसंबर 2027 तक की सभी 27 एकादशी

तारीख · तिथि का समय · पारण का समय · व्रत के नियम · पूजा विधि · पारण के नियम

yajmanconnect.com

यजमान और धाम के बीच, भरोसे का सेतु

एकादशी 2026-27: तारीख और पारण

समय नई दिल्ली के सूर्योदय के अनुसार है। आपके शहर में समय कुछ मिनट अलग हो सकता है; अपने शहर का समय yajmanconnect.com/tools/vrat-calendar/ पर देखें। तारीख स्मार्त (गृहस्थ) परंपरा के अनुसार है।

तारीख	एकादशी	एकादशी तिथि	पारण (व्रत खोलने का समय)
4 दिसंबर 2026 शुक्रवार	**उत्पन्ना एकादशी**	रात 11:04, 3 दिसंबर – रात 11:45, 4 दिसंबर	सुबह 6:59, 5 दिसंबर – सुबह 9:04
20 दिसंबर 2026 रविवार	**मोक्षदा एकादशी**	रात 10:10, 19 दिसंबर – रात 8:15, 20 दिसंबर	सुबह 7:09, 21 दिसंबर – सुबह 9:13
3 जनवरी 2027 रविवार	**सफला एकादशी**	दोपहर 2:25, 2 जनवरी – शाम 4:09, 3 जनवरी	सुबह 7:14, 4 जनवरी – सुबह 9:19
19 जनवरी 2027 मंगलवार	**पुत्रदा (पौष) एकादशी**	सुबह 10:27, 18 जनवरी – सुबह 7:49, 19 जनवरी	सुबह 7:14, 20 जनवरी – सुबह 9:21 द्वादशी सूर्योदय से पहले समाप्त
2 फ़रवरी 2027 मंगलवार	**षटतिला एकादशी**	सुबह 8:42, 1 फ़रवरी – सुबह 11:11, 2 फ़रवरी	सुबह 7:08, 3 फ़रवरी – सुबह 9:19
17 फ़रवरी 2027 बुधवार	**जया एकादशी**	रात 8:19, 16 फ़रवरी – शाम 5:32, 17 फ़रवरी	सुबह 6:57, 18 फ़रवरी – सुबह 9:12
3 मार्च 2027 बुधवार	**विजया एकादशी**	सुबह 4:45, 3 मार्च – सुबह 7:25, 4 मार्च	दोपहर 2:02, 4 मार्च – शाम 4:22
18 मार्च 2027 गुरुवार	**आमलकी एकादशी**	सुबह 4:21, 18 मार्च – रात 1:51, 19 मार्च	सुबह 7:13, 19 मार्च – सुबह 8:51
2 अप्रैल 2027 शुक्रवार	**पापमोचनी एकादशी**	रात 12:45, 2 अप्रैल – रात 2:52, 3 अप्रैल	सुबह 9:16, 3 अप्रैल – सुबह 11:46
17 अप्रैल 2027 शनिवार	**कामदा एकादशी**	सुबह 11:22, 16 अप्रैल – सुबह 9:28, 17 अप्रैल	सुबह 5:53, 18 अप्रैल – सुबह 7:42
2 मई 2027 रविवार	**वरूथिनी एकादशी**	शाम 6:54, 1 मई – शाम 7:52, 2 मई	सुबह 5:39, 3 मई – सुबह 8:18
16 मई 2027 रविवार	**मोहिनी एकादशी**	शाम 6:17, 15 मई – शाम 5:13, 16 मई	सुबह 5:29, 17 मई – सुबह 8:12
1 जून 2027 मंगलवार	**अपरा एकादशी**	सुबह 10:03, 31 मई – सुबह 9:40, 1 जून	सुबह 5:23, 2 जून – सुबह 8:09
14 जून 2027 सोमवार	**निर्जला एकादशी**	रात 2:12, 14 जून – रात 2:08, 15 जून	सुबह 8:14, 15 जून – सुबह 11:01

एकादशी 2027: तारीख और पारण (आगे)

तारीख	एकादशी	एकादशी तिथि	पारण (व्रत खोलने का समय)
30 जून 2027 बुधवार	**योगिनी एकादशी**	रात 10:05, 29 जून – रात 8:31, 30 जून	सुबह 5:26, 1 जुलाई – सुबह 8:14
14 जुलाई 2027 बुधवार	**देवशयनी एकादशी**	दोपहर 12:09, 13 जुलाई – दोपहर 1:11, 14 जुलाई	सुबह 5:33, 15 जुलाई – सुबह 8:18
29 जुलाई 2027 गुरुवार	**कामिका एकादशी**	सुबह 7:35, 29 जुलाई – सुबह 5:13, 30 जुलाई	सुबह 10:30, 30 जुलाई – दोपहर 1:12
12 अगस्त 2027 गुरुवार	**पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी**	रात 12:59, 12 अगस्त – रात 3:00, 13 अगस्त	सुबह 9:35, 13 अगस्त – दोपहर 12:14
28 अगस्त 2027 शनिवार	**अजा एकादशी**	दोपहर 3:26, 27 अगस्त – दोपहर 12:43, 28 अगस्त	सुबह 5:57, 29 अगस्त – सुबह 8:31
11 सितंबर 2027 शनिवार	**परिवर्तिनी एकादशी**	शाम 5:00, 10 सितंबर – शाम 7:36, 11 सितंबर	सुबह 6:04, 12 सितंबर – सुबह 8:33
26 सितंबर 2027 रविवार	**इंदिरा एकादशी**	रात 10:31, 25 सितंबर – शाम 7:50, 26 सितंबर	सुबह 6:11, 27 सितंबर – सुबह 8:35
11 अक्टूबर 2027 सोमवार	**पापांकुशा एकादशी**	सुबह 11:40, 10 अक्टूबर – दोपहर 2:08, 11 अक्टूबर	सुबह 6:19, 12 अक्टूबर – सुबह 8:38
25 अक्टूबर 2027 सोमवार	**रमा एकादशी**	सुबह 5:41, 25 अक्टूबर – रात 3:23, 26 अक्टूबर	सुबह 8:48, 26 अक्टूबर – सुबह 11:02
10 नवंबर 2027 बुधवार	**देवउठनी (प्रबोधिनी) एकादशी**	सुबह 7:34, 9 नवंबर – सुबह 9:11, 10 नवंबर	सुबह 6:40, 11 नवंबर – सुबह 8:50
24 नवंबर 2027 बुधवार	**उत्पन्ना एकादशी**	दोपहर 1:45, 23 नवंबर – दोपहर 12:12, 24 नवंबर	सुबह 6:51, 25 नवंबर – सुबह 8:57
9 दिसंबर 2027 गुरुवार	**मोक्षदा एकादशी**	रात 2:59, 9 दिसंबर – रात 3:20, 10 दिसंबर	सुबह 9:14, 10 दिसंबर – सुबह 11:18
23 दिसंबर 2027 गुरुवार	**सफला एकादशी**	रात 11:41, 22 दिसंबर – रात 11:12, 23 दिसंबर	सुबह 7:10, 24 दिसंबर – सुबह 9:14

इस सूची में 2027 में कोई अधिक मास नहीं है, इसलिए पद्मिनी और परमा एकादशी नहीं हैं। कभी-कभी एकादशी तिथि दो सूर्योदय तक रहती है; तब वैष्णव परंपरा के लोग अगले दिन व्रत रखते हैं। अपनी पारिवारिक परंपरा और पुरोहित की सलाह मानें।

व्रत के नियम

हर महीने दो एकादशी आती हैं, एक शुक्ल पक्ष में और एक कृष्ण पक्ष में। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है और हिंदू धर्म में सबसे अधिक रखे जाने वाले व्रतों में से है।

दशमी (एक दिन पहले)

- शाम को सात्विक और हल्का भोजन लें। प्याज़, लहसुन और तामसिक भोजन से बचें।
- रात में मन में अगले दिन के व्रत का संकल्प लें।

एकादशी के दिन

- अन्न, विशेषकर चावल, नहीं खाया जाता।
- अपनी क्षमता के अनुसार व्रत चुनें: निर्जल (बिना जल), जल पर, या फलाहार (फल, दूध, मेवे, साबूदाना, सिंघाड़े या कुट्टू का आटा, सेंधा नमक)।
- दिन में सोने, क्रोध, झूठ और निंदा से बचने की परंपरा है।
- विष्णु सहस्रनाम का पाठ या "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" का जप करें। रात में भजन-कीर्तन करने की भी परंपरा है।

द्वादशी (अगले दिन)

- पारण के समय में ही व्रत खोलें (अगला पन्ना देखें)।
- पारण से पहले किसी ब्राह्मण, ज़रूरतमंद या गाय को भोजन या अन्न देना शुभ माना जाता है।

> **स्वास्थ्य पहले:** मधुमेह, रक्तचाप, गर्भावस्था, बुज़ुर्ग अवस्था, कोई बीमारी या नियमित दवा हो, तो निर्जल या लंबा उपवास न रखें। डॉक्टर की सलाह से फलाहार या हल्के भोजन के साथ भी व्रत और पूजा की जा सकती है। निर्जला एकादशी (14 जून 2027) भीषण गर्मी में पड़ती है, इसलिए उस दिन विशेष सावधानी रखें।

पूजा विधि और पारण

सरल पूजा विधि

1. सुबह स्नान के बाद साफ़ कपड़े पहनें और पूजा स्थान पर भगवान विष्णु या श्रीकृष्ण का चित्र रखें।
2. हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें: अपना नाम, तिथि और व्रत रखने का भाव मन में दोहराएँ।
3. दीपक और धूप जलाएँ। पीले फूल, तुलसी दल, चंदन, फल और पंचामृत अर्पित करें। एकादशी पर तुलसी के पत्ते नहीं तोड़े जाते, इसलिए उन्हें एक दिन पहले तोड़कर रख लें।
4. उस एकादशी की कथा पढ़ें या सुनें, फिर आरती करें।
5. शाम को भी दीपक जलाकर भगवान का स्मरण करें।

पारण: व्रत खोलने के नियम

- एकादशी का व्रत अगले दिन, द्वादशी तिथि में खोला जाता है। इसे पारण कहते हैं।
- द्वादशी का पहला चौथाई भाग **हरि वासर** कहलाता है। परंपरा के अनुसार हरि वासर में पारण नहीं किया जाता। इसी कारण कुछ एकादशी का पारण देर से शुरू होता है, जैसे विजया एकादशी 2027 का पारण 4 मार्च को दोपहर 2:02 से।
- पारण द्वादशी समाप्त होने से पहले कर लेना चाहिए।
- पारण सात्विक भोजन से करें। पहले तुलसी दल या जल लेकर भगवान को धन्यवाद दें।

कुछ प्रमुख एकादशी (परंपरा के अनुसार)

- **निर्जला एकादशी:** साल की सबसे कठिन एकादशी, बिना जल के रखी जाती है।
- **देवशयनी एकादशी:** यहीं से चातुर्मास शुरू होता है और विवाह जैसे मांगलिक काम रुक जाते हैं।
- **देवउठनी (प्रबोधिनी) एकादशी:** चातुर्मास का समापन और तुलसी विवाह।
- **मोक्षदा एकादशी:** इसी दिन गीता जयंती भी मनाई जाती है।

अपने शहर का समय और अगला क़दम

इस पुस्तिका का समय नई दिल्ली के अनुसार है। भारत और विदेश के 100 से अधिक शहरों का समय yajmanconnect.com पर मुफ़्त है:

- **व्रत कैलेंडर:** हर महीने की एकादशी (पारण समय सहित), पूर्णिमा, अमावस्या, प्रदोष, संकष्टी और शिवरात्रि: yajmanconnect.com/tools/vrat-calendar/
- **एकादशी के नियम और पारण:** yajmanconnect.com/gyan/ekadashi-vrat-niyam-parana/
- **आज का पंचांग:** तिथि, नक्षत्र, राहुकाल और चौघड़िया: yajmanconnect.com/tools/aaj-ka-panchang/
- **जाप काउंटर:** "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" की डिजिटल माला: yajmanconnect.com/tools/jaap-counter/

> यह पुस्तिका सामान्य जानकारी के लिए है। व्रत, पूजा और पारण के नियम हर क्षेत्र और परिवार में थोड़े अलग होते हैं। महत्वपूर्ण व्रतों के लिए अपनी पारिवारिक परंपरा और पुरोहित की सलाह को प्राथमिकता दें।

इस पुस्तिका को अपने परिवार और मित्रों के साथ WhatsApp पर साझा कीजिए, ताकि उन्हें भी सही तारीख और पारण का समय पता रहे।

YajmanConnect · yajmanconnect.com · संचालक: A. K. Srivastava